Roll No.: .....

Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 1

W-3410

M.A.(Fourth Semester) Examination, June-2020

HINDI

Paper - 403

Tulsidas

Time : Three Hours

Maximum Marks : 85 (For Regular Students) ***Maximum Marks : 100 (For Private Students)***

Minimum Pass Marks : 29 ***Minimum Pass Marks : 34***

नोट : **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं। प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख अंकित किये गये हैं।

Q.1. निम्मनंकित पद्यांशों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए। 17/20

(अ) माधव! मोह–फाँस क्यों टूटै।
बाहिर कोटि उपाय करिय, अभ्यंतर ग्रन्थि न छूटै ।।1।।
घृतपूरन कराह अंतरगत ससि–प्रतिबिंब दिखावै।
ईंधन अनल लगाय कलपसत, औटत नास न पावै ।।2।।
तरू–कोटर महँ बस बिहंग तरू काटे मरै न जैसे।
साधन करिय बिचार–हीन मन सुद्ध होइ नहिं तैसे ।।3।।
अंतर मलिन बिषय मन अति, तन पावन करिय पखारे।
मरइ न उरग अनेक जतन बलमीकि बिबिध बिधि मारे ।।4।।
तुलसिदास हरि–गुरू–करूना बिनु बिमल बिबेक न होई।
बिनु बिबेक संसार–घोर–निधि पार न पावै कोई ।।5।।

(ब) अब लौं नसानी, अब न नसैहों।
रामकृपा भव–निसा सिरानी जागे फिर न डसैहौं।।
पायो नाम चारू चिंतामनि उर करतें न खसैहौं।
स्याम रूप सुचि रुचिर कसौटी चित कंचनहिं कसैहौं।।
परबस जानि हँस्यो इन इंद्रिन निज बस ह्वै न हंसैहौं।
मन मधुपहिं प्रन करि, तुलसी रघुपति पदकमल बसैहौं।।

(स) लपट कराल ज्वालजालमाल दहूँ दिसि,
धूम अकुलाने, पहिचानै कौन काहि रे।
पानीको ललात बिललात, जरे गात जात
परे पाइमाल जात 'भ्रात' तूँ निबाहि रे।।
प्रिया तूँ पराहि, नाथ! नाथ! तू पराहि, बाप ! बाप तूँ
परीह, पूता तू पराहि रे ।।
'तुलसी' बिलोकि लोग ब्याकुल बेहाल कहैं,
लेहि दससीस अब बीस चख चाहि रे।।

Q.2. तुलसी साहित्य में कवितावली के महत्तव का निरूपण कीजिए। 17/20

Q.3. "तुलसीदास भारतीय संस्कृति के व्याख्याता हैं"– इस कथन की युक्तियुक्त समीक्ष कीजिए। 17/20

Q.4. निम्नलिखित लघु उत्तरीय प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए– 17/20

(क) तुलसी के दार्शनिक विचारों पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।
(ख) अन्तःसाक्ष्य एवं बहिर्साक्ष्यों के आधार पर तुलसी के जीवन–वृत्त को रेखांकित कीजिए।

Q.5. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नें के उत्तर दिजिए– 17/20

(1) तुलसी के दीक्षा गुरू का नाम लिखिए।
(2) तुलसी की प्रमुख काव्य भाषा कौन सी है?
(3) तुलसी के बचपन का नाम लिखिए।
(4) अकबर के दरबार का मनसबदारी का प्रलोभन मिलने पर तुलसी ने कौन सा सन्देश भेजा था?
(5) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा लिखित एवं संपादित तुलसी संबंधी दोनों ग्रंथों के नाम लिखिए।
(6) तुलसी के जीवन में परिवर्तन लाने वाले उस दोहे को लिखें जो गुस्से में उनकी पत्नी ने बोला था।
(7) किस समीक्षक ने तुलसी को लोकनायक की उपाधि से मंडित किया?
(8) सगुण एवं निर्गुण के साम्यवाद को दर्शाने वाले तुलसी के दोहे को लिखिए।
(9) तुलसी के जन्म एवं मृत्यु के स्थान का नाम लिखिए।
(10)तुलसी द्वारा शरीर छोड़ने के समय के दोहे को लिखिए।